_________________________ hokimligi maktabgacha va maktab ta'limi boshqarmasi

_____________________ maktabgacha va maktab ta'limi bo'limi tasarrufidagi

__-umumiy o'rta ta'lim maktabi

ona tili va adabiyot fani o'qituvchisi

_______________________________ning

20__-20__-o'quv yili 10-11sinflar uchun adabiyot fanidan

"YOSH ADABIYOTSHUNOS"

# TO'GARAK HUJJATLARI

# To‘garak a‘zolari haqida ma’lumot

| № | Familiya ismi va sharifi | Tug‘ilgan sanasi | Sinfi | Manzili (to‘liq) | Ota-onasi (Ismi sharifi) | Telefon (uy yoki mobil) | Izoh |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | | | | | | | |
| 2. | | | | | | | |
| 3. | | | | | | | |
| 4. | | | | | | | |
| 5. | | | | | | | |
| 6. | | | | | | | |
| 7. | | | | | | | |
| 8. | | | | | | | |
| 9. | | | | | | | |
| 10. | | | | | | | |
| 11. | | | | | | | |
| 12. | | | | | | | |
| 13. | | | | | | | |
| 14. | | | | | | | |
| 15. | | | | | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ***16.*** | | | | | | | |
| ***17.*** | | | | | | | |
| ***18.*** | | | | | | | |
| ***19.*** | | | | | | | |
| ***20.*** | | | | | | | |
| ***21.*** | | | | | | | |
| ***22.*** | | | | | | | |
| ***23.*** | | | | | | | |
| ***24.*** | | | | | | | |
| ***25.*** | | | | | | | |
| ***26.*** | | | | | | | |
| ***27.*** | | | | | | | |
| ***28.*** | | | | | | | |
| ***29.*** | | | | | | | |
| ***30.*** | | | | | | | |

***O‘tkazilgan xona*_________________________**

*“______________________” To‘garak mashg‘ulotlar o‘tkazilish sanalari* *To‘garak rahbari________________________*

| t/r | *Sinfi* | *O‘quvchining ismi va familiyasi* | *Sentabr* | | | | *Oktabr* | | | | *Noyabr* | | | | *Dekabr* | | | | *O‘tilgan mavzu* |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

***“______________________” To‘garak mashg‘ulotlar o‘tkazilish sanalari*** ***To‘garak rahbari________________________***

| t/r | Sinfi | O‘quvchining ismi va familiyasi | Yanvar | | | | Fevral | | | | Mart | | | | Aprel | | | | May | | | | O‘tilgan mavzu |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

**“TASDIQLAYMAN”**

**MMIBDO‘_________ _________________**

**20__-20__-o‘quv yili uchun tuzilgan “Yosh adabiyotshunos” to‘garagining**

# ISH REJASI

| № | Yillik ish reja mavzulari | Soat | Sana | Izoh |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Adabiyot – ma’naviyatni yuksaltirish vositasi | | | |
| 2. | Rustamxon | | | |
| 3. | O‘rxun-Enasoy obidalari | | | |
| 4. | Ahmad Yassaviy | | | |
| 5. | Yassaviy hikmatlari haqida | | | |
| 6. | Atoyi | | | |
| 7. | Alisher Navoiy haqida uning zamondoshlari | | | |
| 8. | Qit’alar | | | |
| 9. | Alisher Navoiy ruboiylari haqida | | | |
| 10. | Boburnoma | | | |
| 11. | Turdi farog‘iy | | | |
| 12. | Turdi farog‘iy ijodidan | | | |
| 13. | Mahmudxo‘ja Behbudiy.“Padarkush” dramasi | | | |
| 14. | «Padarkush» dramasi haqida | | | |
| 15. | Abdulla Qodiriy. “O‘tkan kunlar”romani | | | |
| 16. | “O‘tkan kunlar” romanidagi boblardan | | | |
| 17. | Hamid Olimjon | | | |
| 18. | Hamid Olimjon she‘riyati | | | |
| 19. | Said Ahmad. “Qorako`z majnun” hikoyasi | | | |
| 20. | Abdulla Oripov she’riyati | | | |
| 21. | O‘tkir Hoshimov | | | |
| 22. | O‘tkir Hoshimov „Ikki eshik orasi“ | | | |
| 23. | Jek Londo „Hayotga muhabbat“ | | | |
| 24. | Alfons Dode | | | |
| 25. | “Go‘rog‘lining tug‘ilishi” dostoni | | | |
| 26. | Dostonning badiiy xususiyatlari. Dostonning badiiy-estetik hamda tarbiyaviy ahamiyati | | | |
| 27. | Mahmud Qoshg‘ariy. “Devonu lug‘otit-turk”asari | | | |
| 28. | Devonu lug‘otit-turk” – izohli lug‘at va qomusiy asar sifatida | | | |
| 29. | “Alp Er To‘nga” marsiyasi | | | |
| 30. | “Devon”dagi maqollar xalq donoligining ifodasi sifatida | | | |
| 31. | Yusuf Xos Hojibning hayoti va ijodi | | | |
| 32. | “Qutadg‘u bilig”asari. Dostonning o`ziga xos jihatlari | | | |
| 33. | Nosiriddin Rabg‘uziy. “Qisasi Rabg‘uziy”asari | | | |
| 34. | “Uzum hikoyasi”, “Sulaymonning qarinchg‘a bila so‘rashgani”, “Ilon va Qarlug‘och” hikoyati | | | |
| 35. | Alisher Navoiy hayoti va ijodiy faoliyati | | | |
| 36. | Alisher Navoiyning epik asarlari. Xamsa asari va unda “Saddi Iskandariy” hajman yirik asar | | | |
| 37. | “Saddi Iskandariy” dostonining ma’rifiy va adabiy ahamiyati | | | |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 38. | “Saddi Iskanariy” dostonining poetik xususiyatlari | | | |
| 39. | Zahiriddin Muhammad Boburning hayoti va ijodi haqida ma’lumot | | | |
| 40. | Bobur devonlari, ulardagi adabiy janrlar | | | |
| 41. | Bobur she’riyatida badiiy san’atlar | | | |
| 42. | Mashrab hayoti va ijodi. Mashrab lirikasi. Mashrab she’riyatidagi tasavvufiy ohanglar | | | |
| 43. | Ishqing o‘tig‘a kuygoni keldim”, “Butani xokingni-yu ruhi ravonni na qilay”, “O‘rtar” g‘azallari va “Dastingdan” musaddasi | | | |
| 44. | Anbar Otin hayoti va ijodi. “Risolayi falsafayi siyohon” asari (Qarolar falsafasi)dan | | | |
| 45. | “Qarolar falsafasi” ning mazmuni va mohiyati | | | |
| 46. | Abdurauf Fitratning hayoti va ijodiy faoliyati. “Abulfayzxon”– ilk o‘zbek realistik dramasi | | | |
| 47. | “Abulfayzxon” dramasi matni ustida ishlash | | | |
| 48. | Cho‘lpon  hayot va ijodi.“Kecha va kunduz” romani | | | |
| 49. | “Kecha va kunduz” romani matni ustida ishlash | | | |
| 50. | Asardagi Mingboshi, Razzoq so‘fi, Qurvonbibi va boshqa qahramonlar talqini | | | |
| 51. | Erkin Vohidov. She’rlar va “Ruhlar isyoni” dostoni | | | |
| 52. | Erkin Vohidov – dostonnavis. “Ruhlar isyoni” dostonida ijodkor va millat ozodligi muammosining badiiy-falsafiy talqini | | | |
| 53. | Rauf Parfining hayoti va ijodi haqida qisqacha ma’lumot. Shoir she’riyatining o‘ziga xos jihatlari | | | |
| 54. | Shoirning “Tong otmoqda”, “Yomg‘ir yog‘ar”, “Yoz kechasi”, “Yana qaytib keldim”, “Yurak” she’rlari talqini | | | |
| 55. | Mustaqillik davri adabiyoti | | | |
| 56. | Mustaqillik davri she’riyatida hozirgi davr shoirlari | | | |
| 57. | O‘zbek she’riyatida yangicha ifoda usullari va badiiy tadqiq yo‘llarining kashf etilishi | | | |
| 58. | Mustaqillik davrida nasr | | | |
| 59. | Mustaqillik davri nasrining o‘ziga xos xususiyatlari va rang-barangligi jihatlari | | | |
| 60. | Mustaqillik davri nasrida inson ichki olamining yangicha estetik qamrovda yoritilishi | | | |
| 61. | Mustaqillik davri dramaturgiyasi | | | |
| 62. | Mustaqillik davri dramaturgiyasining o‘ziga xos jihatlari va yutuqlari | | | |
| 63. | Mustaqil o‘qish.Hozirgi adabiy jarayon va kitobxon o‘rtasidagi munosabatlarning yangicha qirralari | | | |
| 64. | A.P.Chexov rus adabiyotining taniqli vakili. Uning hikoyalarida inson tabiatining xilma-xil qirralarining tasvirlanishi | | | |
| 65. | A.P.Chexov ning “Garov” hikoyasi va asar tahlili | | | |
| 66. | Rishod Nuri Guntekin. “Choliqushi” romani | | | |
| 67. | “Choliqushi” romani matni ustida islash | | | |
| 68. | Feride obraziga xos bo‘lgan insoniy fazilatlar. Adibning tasvirlash mahorati | | | |

Sana: “__” _____________ 20___-yil. To‘garak rahbari: _________________________

**MAVZU:** Kirish. Adabiyot – ma’naviyatni yuksaltirish vositasi
**MASHG‘ULOTNING MAQSADI:**
**a) ta’limiy:** o‘quvchilarga adabiyot, uning ma’naviyatni yuksaltirish vositasi sifatidagi ahamiyati haqida yangi bilim berish;
**b) tarbiyaviy:** o‘quvchilarda yurtimizda ro‘y berayotgan o‘zgarishlarga shaxsiy munosabat bildirish malakasini shakllantirish;
**d) rivojlantiruvchi:** o‘quvchilarni o‘z-o‘zini rivojlantirishga o‘rgatish, mavzu yuzasidan olgan bilimlarini hayotiy vaziyatlarga qo‘llay bilishiga erishish.
**Mavzuga oid shakllantiriladigan kompetensiyalar:**
**a) tayanch kompetensiya(lar):** TK1, TK2;
**b) fanga oid kompetensiya(lar):** FK1.
**Mashg‘ulot turi:** yangi tushuncha, bilimlarni shakllantiruvchi.
**Mashg‘ulot uslubi:** an’anaviy.
**Mashg‘ulot jihozlari:** Mashg‘ulotlik, adabiyotshunoslik atamalari lug‘ati, mavzuga oid ilmiy adabiyotlar, slaydlar, bukletlar, tarqatma materiallar, ko‘rgazmali qurollar (audio, video, fotolavhalar, jadvallar) jamlanmasi.
**MASHG‘ULOTNING BORISHI:**

**Tashkiliy qism:** O‘quvchilar bilan salomlashib, sinf xonasining Mashg‘ulotga tayyorlik darajasini tekshirish, davomatni aniqlash.

**Ma’naviyat daqiqasi:** O‘quvchilar bilan kunning muhim iqtisodiy, ijtimoiy-siyosiy, ma’naviy-ma’rifiy, axloqiy-tarbiyaviy yangiliklari xususida qisqacha suhbat tashkil etish, ularga nisbatan o‘quvchilarning mustaqil yondashuvini tinglash, bahs-munozara uyushtirish.

**O‘tilgan mavzuni takrorlash:** O‘quvchilar bilan quyi sinflarda olingan bilimlarni og‘zaki yoki tarqatmali materiallar asosida takrorlash – savol-javob o‘tkaziladi. Mustaqil o‘qish uchun berilgan topshiriqlar o‘quvchilardan so‘raladi.

**Yangi mavzu bayoni:** O‘quvchilarga yangi mavzu yuzasidan quyidagi tushunchalar beriladi. Hayotning turli bosqichlarida insonning olamga qarashlari, qiziqish va ehtiyojlari ham o‘zgarib, takomillashib boradi. Uni inson va jamiyat, muayyan shaxs ruhiyati kabi masalalar ko‘proq qiziqtira boshlaydi. Yaxshi kitoblar qiziqishlarga munosib javob beradigan eng muhim manba sanaladi. Aslida, kitob o‘qishni bolalar ham, kattalar – hamma yaxshi ko‘radi. Chunki kitob har bir inson hayotida, dunyoqarashi ning shakllanishi va kenga yishida alohida o‘rin tutadi; undan har
bir tafakkur egasi o‘ziga mos va munosib bo‘lgan ma’naviy ozuqa oladi.

Ajdodlarning vatan, millat ravnaqi, erk-u ozodligi yo‘lidagi fidoyiliklari, mardonavorliklari, jasoratlari bayonidan, mehnatsevar va tadbirkor, aqlli, dono, ijodkor, kamtar, yuksak insoniy fazilatlar bilan ziynatlangan odamlar tasviridan qanchalik mamnunlik tuygan bo‘lsangiz, aksincha, qo‘rqoq va xiyonatkor, johil va nodon, ishyoqmas va tanbal, loqayd va madaniyatsiz kimsalar obraziga duch kelganda ichingizda bir afsus-nadomat va ranjishlar paydo bo‘lgandir, ehtimol. Bu hol Sizning ko‘nglingizda o‘zbekona milliy-ma’naviy hayot tarzimizga mos va munosib fazilatlar shakllanib borayotganidan darak beradi. Hadisi sharifda aytilganidek, «... agar siz yaxshi

narsalarni koʻrib xursand boʻlsangiz va, aksincha, yomon narsani koʻrib ranjisangiz, haqiqiy moʻmin ekansiz». Bu yaxshi insonga xos xislat belgisidir.

Kitobxonlik madaniyatining yuksalishida oʻz ustida ishlashning, mustaqil va ijodiy faoliyatning ahamiyati beqiyos. Shuningdek, ulugʻ ajdodlarning hayoti va ijodidan saboq olish, ular yozib qoldirgan hayotiy hikmatlardan bahramand boʻlish ham lozim. Mahmud Koshgʻariy «Qut belgusi – bilig» degan maqolning turkiy xalqlar ogʻzaki ijodida juda qadim davrlardan boshlab faol iste'molda boʻlganini yozadi. Bu har qanday fazilatning boshlanishi bilimdir degan ma'noni anglatadi. Bilimning manbayi esa, tabiiyki, kitob boʻladi.

**Mustahkamlash:** Mashgʻulotning ushbu qismida oʻquvchilar Mashgʻulot yakunida quyida berilgan topshiriqlar va savollarga javob beradilar:

1. Yozgi ta'tilda qanday badiiy asarlar oʻqidingiz? Ulardan olgan taassurotlaringizni sinfdoshlaringiz bilan oʻrtoqlashing.
2. Ular orasida sizga eng kuchli ta'sir qilgani qaysi asar boʻldi? Nega shunday boʻlganini izohlang.
2. Asar tanlash va uni mutolaa qilishda, asosan, nimalarga e'tibor berdingiz?
3. Koʻp kitob oʻqigan inson ma'naviyatiga qanday baho berasiz? Fikringizni hayotiy misollar asosida izohlang.
4. Oʻzbek adiblarining ma'naviyatga, adabiyotga doir qaysi hikmatli soʻzlarini bilasiz?
5. Badiiy adabiyotning inson qalbi va jamiyat hayotiga ta'siri toʻgʻrisida misollar asosida fikr bildiring.
6. Ta'til davomida oʻzingiz oʻqigan badiiy asarlarga annotatsiya (qisqacha izoh) yozing.

**Oʻquvchilarni baholash:** Oʻquvchilar Mashgʻulotdagi ishtirokiga koʻra belgilangan baholash mezonlari asosida baholanadilar. Baholar oʻquvchilarning kundalik daftarlarida va sinf jurnalida aks ettiriladi. Mashgʻulotda faol ishtirok etmagan oʻquvchilar bilan ishlanadi.

**Uyga vazifa:** oʻquvchilarga uyga vazifa sifatida mazkur mavzuni oʻqib-oʻrganish, qoʻshimcha materiallar izlab topish va tushunchalarini boyitish topshiriq qilib beriladi.

**Maktab MMIBDOʻ_______ ____________________Sana____ _______________20___yil**

Sana: "__" _____________ 20___-yil.  To'garak rahbari: _________________________

***Mavzu:    RUSTAMXON***

***Mashg'ulotning maqsadi:***
- *o'quvchilarni mavzu mashg'uloti bilan tanishtirish;*
- *Mashg'ulotlikning maqsadlari va vazifalari haqida tushuncha berish;*
- *Mashg'ulotlikdagi materiallarni o'rganish usullarini tushuntirish;*
- *o'quvchilarga o'rganiladigan ma'lumotlar  haqida  tushunchalar  berish.*

**Mashg'ulot materiallari va jihozlari: Darslik, ko'rgazmalar**
*2.,,Mavzuga oid chizmalar*
*3.Doska, bo'r, daftar.*
*4.Tarqatma material: Mashg'ulotda o'rganiladigan  asosiy atamalar  va  tushunchalar yozilgan kartochkalar.*
***I. Tashkiliy qism:***
*5.Sinfda o'quvchilarni Mashg'ulotga jalb qilib, ishchi muhitni yaratish.*

*6.Sinf holati bilan tanishish va davomadni aniqlash*
***II. Mashg'ulotning mazmuni:***
*7.Mashg'ulotlikning dasturi, maqsadlari va vazifalari.*
*8.Mashg'ulotlikdagi materiallar tizimi va uni o'rganish uslubiyati va usullari.*
*9.O'rganiladigan ma'lumotlar hayotiy bog'liqligi..*

***I I I . Mashg'ulot mazmunini  ro'yobga  chiqarish  ustida  ishlash:***
*11. O'qituvchining  ,, adabiyot  tarixi" fani vazifalari va xususiyatlari, Mashg'ulotlikdagi materiallar tizimi, uni o'rganish uslubiyati va usullari to'g'risida tushuntirish.*
***Yangi Mashg'ulot bayoni:***

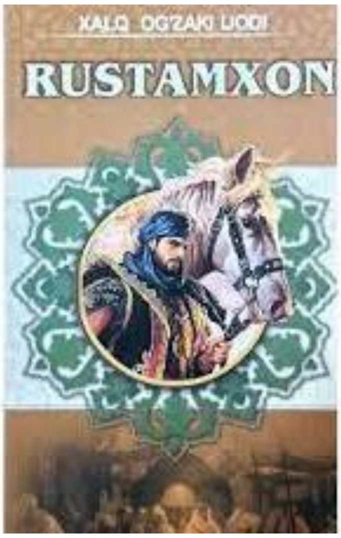


***Qadim zamonda Oqtosh viloyatida Sultonxon degan o'tdi. Sultonxonning uch xotini bor edi, tug'maydigan aybi bor edi. Necha vaqt Oqtosh mamlakatida podsholik qildi. Yoshi ulg'ayib soqoli oqarib qoldi.Huroyim degan o'rtancha xotini homilador bo'lib, oydan oy, kundan kun o'tib, oyi-kuni yaqin yetib kelaberdi.Sultonxon Huroyim yoriga aytdi: «Dunyoda bir qo'rqqan yomon, bir quvongan yomon» degan gap bor. Mening qariganda ko'rgan farzandim. Men shu yerda yursam, sen bir kun tug'ib qo'yarsan. Men quvonganimdan yuragim yorilib o'lib qolarman. Qurudum mamlakatiga safar qilayin, oldimga suyunchi deb chiqqan kishiga ayamasdan tanga-tilla berarman, qulog'idan dunyoga ko'marman, balki qo'rg'onbegi qilarman.Shunda ketmoqqa ixtiyor qilib, taxti-baxtini kimga topshirarining hisobini topmay, amalini, davlatini hech kimga ishon may, hayron bo'lib, qozikalonlardan so'radi. Qozikalonlar turib aytdi: «Gumonaning tufaylidan mamlakatni Huroyimni so'ramog'i to'g'ri keladi».Shunda Sultonxon taxt-baxtini Huroyimga topshirib, karnay-surnay qo'ydirib, odamlarni yig'dirib, jo'namoq harakatida bo'ldi. Huroyim Sultonxonga qarab bir so'z aytib turgan ekan:***
***Xonim, eshit menday oyim arzini,***
***So'ldirmagin bunda gulday tarzini,***
***Mergan otar dayrobotning g'ozini,***
***Xonim, ongla Huroyimning so'zini.***
***Sultonxon yo'l yurib, Qurudum mamlakatini yoqalab, chodir-c haman tikib qo'ndi. Bu yerlar tevaragidagi ellar, necha qo'rg'on so'rab turgan beklar ilgaridan ham bir-biriga ma'lum. Goh Sulton xonga boj berib, goh bermay qaytib turar edi. Bular Urganch, Xorazm, Xeva beklari, Dinkaman xonlari edi. Bular Sultonxonning kelishini ko'rib, shunday maslahatda bo'ldi: «Biz bu podshoning ixtiyoriga goh kirib, goh kirmay qolganimizga, bu adadsiz lashkar, qancha to'p-u anjomlar bilan yomon niyatda kelgan. Bo'lak o'yda kelsa, bunday shavkat bilan chiqmas edi. Bizda bekor odam ko'p, lashkar yo'q. Biz har qaysimiz bitta-bitta qo'rg'onning egasimiz.***
***Oqtosh mamlakatida Huroyim podsholik qilib, ichkarida arz so'raydi. Ximcha degan kanizi bor. Ximcha – tillari bulbulcha, kimki yaxshi desa, shuncha, ikki yuzi ochilgan gulcha, bellari xipcha, o'zi suluv oyimcha. Ximcha oyim tashqarida arz so'radi. Huroyim Oqtosh mamlakatida Sultonxondan ziyoda ish tuta berdi. Huroyimn ing ish tutuviga ikki kundosh bezovtalik qilaberdi. Vaqti yetib, oyi bitib, Huroyim o'g'il tug'di, otini Rustam qo'ydi.Rustam birga, ikkiga, uchga kirdi. Tilga enganida madrasadan bir mulla olib kelib, o'qitib yotaberdi.«Zamon Huroyimniki***

***bo‘ldi», – deb ikki kundosh nima qilarini bilmay o‘y o‘ylar edi. Oqtosh viloyatida daftari mas-tondan uch yuz oltmish mastoni bor edi, boshlig‘ini Momogul maston der edi, mazgili1 shahardan tashqari bir g‘orda edi.G‘orda yotar edi, xurrakni baland tortar edi, botmon nosvoyni to‘rt bo‘lib otar edi, yurish-turishi odamlarga xatar edi,***
***ne er yigitl arni ikki pulga sotar edi, yaxshilikni uch pulga olmay, qayerda yomonlik bo‘lsa, izlab yetar edi, qanday odam ko‘rsa, bu kampirdan hazar qilib uzoqqa ketar edi, yomonlik izlab borgan odamning ishi mastondan bitar edi.***

***Ikki kundosh Huroyimdan qutulish uchun Momogul maston bilan til biriktiradilar. Maston tilla tangalar evaziga Huroyim ustidan fitna-g‘iybat to‘la arznoma yozdiradi, firib bilan Oqtosh ahliga tasdiqlatadi va Sultonxonga olib boradi. Sultonxon g‘azabga minib, o‘zi safardan qaytguncha Huroyimni shahardan haydab, dorga osishga buyuradi. Jallodlar Huroyimni dorga osmoqchi bo‘layotganlarida, Rustam jallodlarning dodini berib, onasini qutqaradi. Rustam boradigan yerining tayini yo‘q; enasini otga mindirib, tozilarini ergashtirib: «Adashganning oldi yo‘l», – deya yo‘lga tushadi. Ular yo‘l yursa ham mo‘l yurib, Hukumu tog‘iga yetib boradilar, shu yerda qo‘nim topadilar.***

***Rustam tog‘-toshda ov qilib keladigan, enasi esa pishirib beradigan bo‘ldi.Bir kuni Rustam enasi va tozilarini qoldirib, zarur anjomlar topish uchun yo‘l tortdi. Ko‘zi tog‘ bag‘ridagi o‘tovga tushdi.Ot ustida o‘tovning bo‘sag‘asidan qaradi. Ko‘rdi: ajab suratli bir qiz, jamoli kunni xira qilguday, har kim husnini ko‘rsa, aqli ketib, otdan yiqilib qolguday. Ikki qo‘li orqasiga boylangan, sochidan uyning keragasiga1 boylovli turibdi. Rustam ko‘rib hayron qoldi. «Shunday odamni ham ovloq bir cho‘lda, ko‘z ko‘rmagan yerda boylab tashlaydigan ham gaplar bor ekan-da! Kel-e, o‘ylab turguncha so‘ylab bilayin», – deb Rustam bir so‘z aytib turgan ekan:– Alifday qomating, xipcha belingdan,***
***Menga bayon ayla o‘sgan elingdan,***

***IV. O‘rganilgan mavzuni mustahkamlash:***

*1.Savol-javob va mavzuning asosiy mazmunini takrorlash orqali amalga oshiriladi.*
*2..Guruhlarda ishlash yakunlarini chiqarish.*

***V. Mashg‘ulot yakunlarini chiqarish:***

*O‘qituvchi o‘quvchilar bajargan yozma va og‘zaki javoblar uchun qo‘yilgan baholarni e’lon qiladi va yuzaga kelgan savollarga javob qaytaradi.*

***VI. Uygа vazifa:***_O‘rganilgan mavzu savollariga javoblar tayyorlash._

**Maktab MMIBDO‘_______ ____________________Sana____ _______________20___yil**

Sana: “__” _____________ 20___-yil.  To‘garak rahbari: _________________________

***Mavzu:* *O‘RXUN-ENASOY OBIDALARI***

***Mashg‘ulotning maqsadi:***

- *o‘quvchilarni mavzu mashg‘uloti bilan tanishtirish;*
- *Mashg‘ulotlikning maqsadlari va vazifalari haqida tushuncha berish;*
- *Mashg‘ulotlikdagi materiallarni o‘rganish usullarini tushuntirish;*
- *o‘quvchilarga o‘rganiladigan ma’lumotlar haqida tushunchalar berish.*

**Mashg‘ulot materiallari va jihozlari: Adabiyot darsligi, mavzuga oid ko‘rgazmalar.**
*2. ,,Mavzuga oid chizmalar*
*3.Doska, bo‘r, daftar.*
*4.Tarqatma material: Mashg‘ulotda o‘rganiladigan asosiy atamalar va tushunchalar yozilgan kartochkalar.*
***I. Tashkiliy qism:***
*5.Sinfda o‘quvchilarni Mashg‘ulotga jalb qilib, ishchi muhitni yaratish.*
*6.Sinf holati bilan tanishish va davomadni aniqlash*
***II. Mashg‘ulotning mazmuni:***
*7.Mashg‘ulotlikning dasturi, maqsadlari va vazifalari.*
*8.Mashg‘ulotlikdagi materiallar tizimi va uni o‘rganish uslubiyati va usullari.*
*9.O‘rganiladigan ma’lumotlar hayotiy bog‘liqligi..*
***III. Mashg‘ulot mazmunini ro‘yobga chiqarish ustida ishlash:***
*11. O‘qituvchining adabiyot tarixi“ fani vazifalari va xususiyatlari, Mashg‘ulotlikdagi materiallar tizimi, uni o‘rganish uslubiyati va usullari to‘g‘risida tushuntirish.*
***Yangi Mashg‘ulot bayoni:***

***Mazkur obidalarning topilishi O‘rxun hamda Enasoy daryolarini ng havzalari bilan bog‘liq. Garchi bunday qadimiy obidalar key inchalik Sibir va Mo‘g‘ulistonning boshqa joylaridan, Sharqiy Turk iston, O‘rta Osiyo, Kavkaz, Volgabo‘yi, hatto Sharqiy Yevropadan ham topilgan bo‘lsa-da, tarixda bu nom muqim o‘rnashib qoldi.O‘rxun-Enasoy yodgorliklari dastlab, O‘rxun, Selenga va To‘li daryolari atroфdan Shimoliy Mo‘g‘ulistondan toshga bit ilgan obidalar shaklida topildi. O‘rxun-Enasoy obidalari «toshbitiklari» deb ham yuritiladi. Buning sababi ko‘pgina yodgorliklarning qabr toshlariga o‘yib yozilganidir. Ularning eng yiriklari «To‘nyuquq» hamda «Kul Tegin» yodgorliklaridir.Qadimgi turkiy obidalarning asl manbalari topilgan va saqlanayotgan joylar: O‘rxun va Enasoy daryolari atrofari, Turfon (Sharqiy Turkiston), shuningdek, Mo‘g‘uliston, Germaniya (Berlin, Marburg, Mayns), Rossiya (Sankt-Peterburg, Qizil, Minusinsk), Xitoy (Turfon, Urumchi, Miran Suchjoy, Pekin), Buyuk Britaniya (London), Fransiya (Par ij), Shvetsiya (Stokgolm), O‘zbekiston, Qozog‘iston, Qirg‘iziston va boshqalar.«To‘nyuquq» bitiktoshi 2 ta ustunga yozilgan. Ularning biri 170, ikkinchisi 160 sm dan iborat. Bu yodgorlikni Yelizaveta Klemens 1897-***

***yili Shimoliy Mo'g'ulistonda turmush o'rtog'i Dmitriy Klemens bilan birgalikda izlab topgan. Bitiktosh Ulan-Batordan 66 km janubi-sharqdagi Bain Sokto manzilida bo'lgan va hozir ham shu yerda saqlanadi.***

***IV. O'rganilgan mavzuni mustahkamlash:***

*1.Savol-javob va mavzuning asosiy mazmunini takrorlash orqali amalga oshiriladi.*

*2..Guruhlarda ishlash yakunlarini chiqarish.*

***V. Mashg'ulot yakunlarini chiqarish:***

*O'qituvchi o'quvchilar bajargan yozma va og'zaki javoblar uchun qo'yilgan baholarni e'lon qiladi va yuzaga kelgan savollarga javob qaytaradi.*

***VI. Uyga vazifa:***_O'rganilgan mavzu savollariga javoblar tayyorlash._

*Maktab MMIBDO'________ ______________________Sana_____ ________________20___yil*

*veb-saytimiz: Zokirjon.com*

***Hujjat Word variantda beriladi.***

*Zokirjon Admin bilan*

*90-530-00-68 nomerga murojaat qilishingiz, shu nomerdagi telegram orqali bog'lanishingiz yoki nza4567 izlab telegramdan yozishingiz so'raladi.*

***Telegramda murojaatingizga o'z vaqtida javob beriladi***

**Adabiyot fanidan 10-11-sinf o'quvchilarga 68 soatli to'garakni to'liq holda olish uchun telegramdan yozing.**

**Narxi: 30 ming so'm**

Telegram kanalimiz:

**@Maktablar_uchun_hujjatlar**

**To'lov uchun: UZCARD *880*9860230104973329*summa#**

**Plastik egasi Nabiyev Zokirjon**

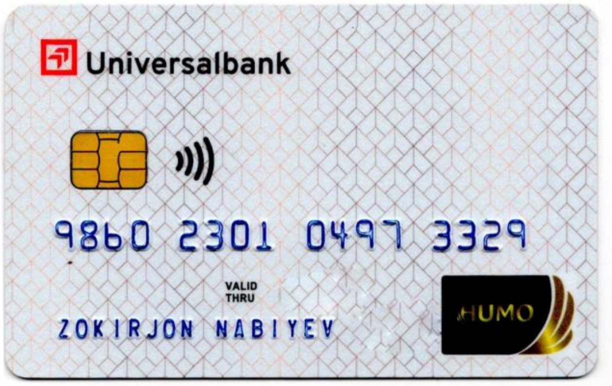


**DIQQAT!!!**

**Sizga bu OMONAT qilib beriladi.**
**To'liq holda olganingizdan so'ng:**
**Faqat o'zingiz uchun foydalaning.**
**Hech kimga bermang hattoki eng yaqin insoningizga ham.**
**Internet orqali veb-saytlarga joylamang.**
**Kanal va gruppalarga tarqatmang.**

**OMONATGA HIYONAT QILMANG.**